

सिटी पुं. (अं.) नगर, शहर।

सिट्टी स्त्री. (तद्.) सीटने अर्थात् बहुत बढ़-चढ़ कर बोलने की क्रिया या भाव।

सिट्ठी स्त्री. (देश.) सीठना।

सिठनी स्त्री. (देश.) सीठनी।

सिठाई स्त्री. (तद्.) सीठा होने की अवस्था या भाव, सीठापन, सारहीन, नीरस।

सिड़ स्त्री. (देश.) विचित्र प्रकार का हठपूर्ण परंतु हल्का पागलपन, झक, सनक।

सिड़बिल्ला पुं. (देश.) झक्की, सनकी, बेवकूफ।

सिड़ी वि. (तद्.) जिसे सिड़ नामक रोग हो, झक्की, सनकी।

सिड़ीपन पुं. (देश.) सिड़, झक, सनक।

सिणगा पुं. (डिं.) शृंगार।

सितंबर पुं. (अं.) पाश्चात्य पंचाग में वर्ष का नवाँ महीना जो अगस्त के बाद और अक्टूबर से पहले पड़ता है यह सदा 3. दिनों का होता है।

सित वि. (तद्.) 1. उजला, श्वेत, सफेद 2. चमकीला और साफ, स्वच्छ पुं. 1. शुक्र नामक ग्रह 2. शुक्राचार्य का एक नाम 3. चीनी, शक्कर 4. चंदन 5. सफेद कचनार 6. मूली 7. सफेद तिल 8. भोजपत्र 9. चाँदी, रजत।

सितकंठ वि. (तद्.) जिसका गला सफेद हो पुं. 1. शिव 2. दात्यूह पक्षी, मुरगाबी।

सितकर पुं. (तत्.) 1. भीमसेनी कपूर 2. चंद्रमा।

सितकर्णी स्त्री. (तत्.) अडूसा, वासक।

सितकाच पुं. (तत्.) 1. हल्बबी शीश 2. बिल्लौर।

सितकारिका स्त्री. (तत्.) बरियार, बला पौधा।

सितकुंजर स्त्री. (तत्.) 1. ऐरावत हाथी 2. इन्द्र।

सित कुंभी स्त्री. (तत्.) सफेद पाँडर, श्वेत पाटल (वृक्ष)।

सितक्षार पुं. (तत्.) सोहागा।

सितच्छद पुं. (तत्.) 1. हंस 2. लाल सहिजन।

सितच्छदा स्त्री. (तत्.) सफेद दूब।

सितता स्त्री. (तद्.) सित अर्थात् सफेद होने की अवस्था, गुण या भाव। सफेदी।

सित तुरग पुं. (तत्.) अर्जुन।

सितदीधिति पुं. (तत्.) सफेद किरणों वाला, चंद्रमा।

सितद्रुम पुं. (तत्.) 1. अर्जुन वृक्ष 2. मोरट नामक क्षुप।

सितपक्ष पुं. (तत्.) हंस।

सितपच्छ पुं. (तद्.) सित पक्ष, हंस।

सितपर्णी स्त्री. (तत्.) अर्कपुष्पी, अंधाहुली।

सितपुष्प पुं. (तत्.) 1. तगर का पेड़ या फूल, गुल चाँदनी 2. शिरीष का पेड़ 3. पिंड खजूर 4. एक प्रकार का गन्ना।

सितपुष्पा स्त्री. (तत्.) 1. बला, बरियार 2. चमेली, मल्लिका 3. सफेद-कुष्ठ 4. कंधी (पौधा)।

सितपुष्पी स्त्री. (तत्.) 1. सफेद अपराजिता 2. केवटी मोथा 3. काँसा नामक तृण 4. पान का पौधा, नागवल्ली 5. नागदंती।

सितप्रभा पुं. (तत्.) चाँदी।

सितभानु पुं. (तत्.) चंद्रमा।

सितम पुं. (फा.) 1. ऐसा क्रूर कार्य जो दूसरों पर विशेषतः निरीहों पर बलात् क्रिया जाय 2. शासक या अधिकारी द्वारा अपनी प्रजा पर किया जाने वाला अत्याचार 3. अनर्थ, गजब।

सितमगर वि. (फा.) दूसरों पर विशेषतः निरीहों पर अत्याचार करने वाला, दुखियों तथा बेगुनाहों को सताने वाला।

सितमणि स्त्री. (तत्.) बिल्लौर, स्फटिक।

सितमाष पुं. (तत्.) बोड़ा, लोबिया, राज-माष।

सित रश्मि पुं. (तत्.) सफेद किरणों वाला, चंद्रमा।

सित राग पुं. (तत्.) चाँदी, रजत।

सित रुचि पुं. (तत्.) चंद्रमा।